Government of India was able to unearth links between ISI of Pakistan and LITTE; and

(c) if so, what measures Government of India are taking in curbing entry of foreign agencies in creating law and order situation in India?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PIEOT): (a) Government have reports that Pakistan's ISI is involved in creating law and order problem at various places in the country.

(b) There is no confirmed information in this regard.

(c) All concerned agencies, both Central and State have been fully alerted to step up and maintain the highest level of vigil. Instructions have been issued to the various authorities to undertake thorough checking of suspicious looking individuals as well as premises. Government have also asked the state governments for effectively coordinating all actions for carrying out reinforced surveillance especially in vulnerable areas.

भारत में विदेशी शरणार्थी

343. **श्री अजीत जोगी:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय भारत में रह रहे विदेशी शरणार्थियों को देशवार अनुमानित संख्या कितनी-कितनी है;

(ख) चालू वर्ष के दौरान अब तक भारत में आये शरणार्थियों की देश वार अनुमानित संख्या कितनी-कितनी है;

(ग) उनके भारत में आने के क्या कारण हैं;

(घ) क्या उन्हें स्वदेश वापस भेजने का कोई प्रस्ताव है; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० एम० सईद०): (क) इस समय भारत में रह रहे विदेशों से आए शरणार्थियों की अनुमानित संख्या, उनकी राष्ट्रीयता के अनुसार, निम्न प्रकार है:—

क्र०सं०	देश का नाम	शरणार्थियों की संख्या
1.	श्रीलंका	1,02,687
2.	तिब्बत	80,000
3.	बंगलादेश	86,000
4.	म्यांमार	54

(ख) चालू वर्ष के दौरान, इन देशों में से किसी देश से किसी शरणार्थी के आने की कोई सूचना नहीं है।

(ग) ये शरणार्थी, उनके अपने देशों में जातीय हिंसा / राजनैतिक अस्थिरता के कारण भारत में आए थे।

(घ) और (ङ) जहां तक श्रीलंकाई शरणार्थियों का संबंध है, 20 जनवरी, 1992 से 14 फरवरी, 1994 के बीच 39081 शरणार्थी श्रीलंका वापस भेजे जा चुके हैं। सभी श्रीलंकाई शरणार्थियों की शीघ्र स्वदेश वापसी में मदद के लिए श्रीलंका सरकार के साथ बातचीत जारी है। तिब्बती शरणार्थियों के संबंध में, उन्हें उनकी मातृभूमि में वापिस भेजने के लिए कोई प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन नहीं है। जहां तक चकमा शरणार्थियों का संबंध है, 19.2.1994 तक 1986 चकमा शरणार्थियों को बंगलादेश वापस भेज दिया गया है। सभी चकमा शरणार्थियों के शीघ्र प्रत्यावर्तन को आगे बढ़ाने के लिए बंगलादेश सरकार के साथ विचार-विमर्श किया जा रहा है।

पुलिस बलों में सुधार

344. **श्री राम जेठमलानी:** क्या गृह मंत्री यह बताने की करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ महीनों के दौरान देश के अनेकों न्यायालयों द्वारा स्थानीय सशस्त्र बलों (पुलिस इत्यादि) के संबंध में की गई प्रतिकूल टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए सरकार पुलिस की वर्तमान व्यवस्था और कार्य प्रणाली में व्यापक खामियां महसूस करती है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने पुलिस बल में सुधार लाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कोई योजना तैयार की है;